बड़ी दूर से आये है भागवत अमृत लाये

बड़ी दूर से आये है भागवत अमृत लाये है ।
अपना लो या ठुकरा दो श्रद्धा के फूल लाये है ॥

तेरे दर पर जो आता है बिन मांगे पाता है
माँ बेटे का .....ये कैसा नाता है
हम भटकते हम फिरते
हम भटकते बच्चे तेरे है भागवत अमृत लाये है ॥

मेरा दर्द तू सुन ले श्याम है अपना न पराया
तेरे शिवा ..... कोण है मेरा प्यारा
हम बिलखते हम रोते
हम बिलखते बच्चे तेरे है भागवत अमृत लाये है ॥

न स्वर है न सरगम है न लय न कोई तराना
जो चाहे ..... में श्याम का दीवाना
मोहित मन की , मोहित मन की
मोहित मन की मुरदे पाते है
भागवत अमृत लाये है ।

अपना लो या ठुकरा दो श्रद्धा का फूल लाये है ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/10452/title/badi-door-se-aaye-hai-bhagwat-amrit-laye-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |